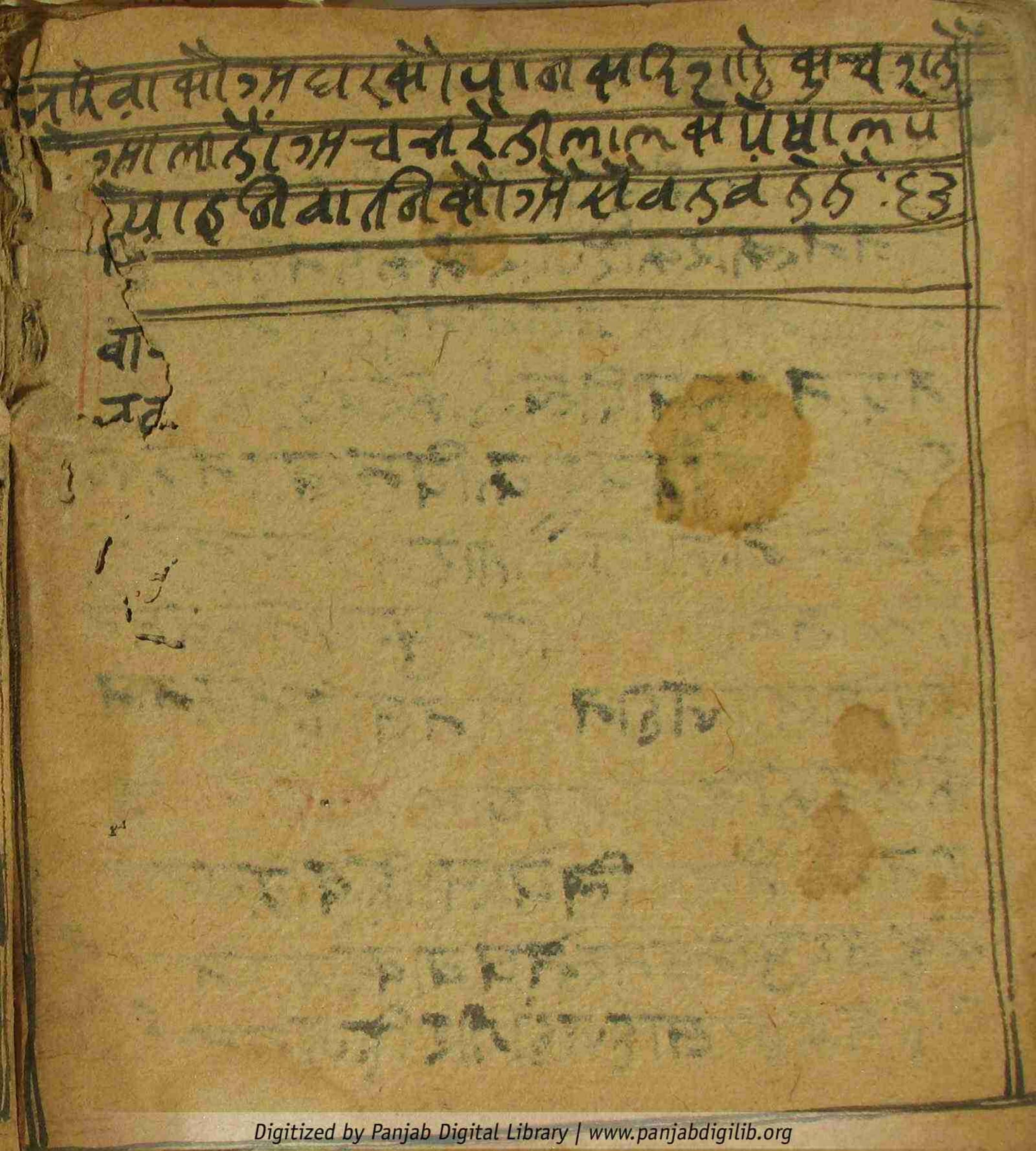
1 Ac- No 2 + 50529, सुन्दरसंगार। सुन्दरकार्रकार 2. मन्त्र र 50530. नामरेन मी पारे वर्ष । अन्तर रास कार। 3 मल्ला क 50531 विलोधान मीकी परिवर्ष । अन्तरहासक्त भ A... - N°; - 50532 अगर मीकी वाह नई िया- अन-रदाम 5 A... N. 2. → 5.0533. SIZATE SIZE I 6. Accomos => 50534. == Ato => 21-7 7 Acon 8 - 50535. 21 - 1 8 m-- N=2 -> 505 36. 47 = 2-4 - 17 - 1 9.4-1:->50537 37a-21271 10.A-04: -50538 AND 13.51 11. भिल्ला : > 505 80. संस्था संस्था मुन्य कारी कर कार्य कर ।

मध्यम् इति प्रमुखन्त सुध्यः इतिन जा गाठास अध्यक्त मन्त्र मन्त्र प्राप्य हा छ । इ क्षाः सुन्य अस्य ६ धर्म छ तय इपराह भाषाभाषा भाषा भाषा भाषा भाषा भाषा बान्सच्य क्राहिश्व तत्त्व तत्त्र स्व जिसे सामात्रा सामा सामा सामा सामा 19मत्ति मान्य पा धः स्थम भूप स्यास वस्तु हर राष्ट्र रहा ४ शास्त्र सामा सम्ब सा चा मा ना सन् व वपा हु है र द लह या छ वाह्य या वा क्रा क वा ए भता गर रज याला प्राम्य निवास ग्राम्य स्थान धाः । भाषाकाषात्रवाषात्रवाषा जाला भा द्वार रात्र शान्त्रमा नामा भार धकारा, करका व क्रमान यह । धन ह ग्रह्म स्ता ध्रा सा अवस्य है। सा स्वा अन अनु सा अन त, प्राप्त मानगरस्य पारसि प्रो Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

तसामसम्बद्धाः श्रध्याद्धाः वः वालाजवालया हार १ मिना की कार TIST MENIGUES AND ALLES WEST 4 इस्रिक्षिक्ष स्वर्धिन्तर इसिन्म वाहारमाप्रसापारनागः साम्य हित्तानाम्य दिश्य । इसि जमाजान्य वा अस्य ठलालमा पार्वा जाग्राक्षयागः लाजाव्यव्याप र्यात्रा वाक्ष्य मार्याताना जुन ज प्राष्ट्रायाद्यायाः साठ्यसम्बन्धान्य भागायाः यश्रासाः यश्रास्ता काम्यासाः यश्रास्ता काम्यासाः यश्रास्ता काम्यासाः यश्रास्ता काम्यासाः यश्रास्ता काम्यासाः यश्रास्ता कार्यासाः यश्रासाः यश्रासः यश्रा हाधायोः जधायायात्राः १ शाया हा १ शाद रसी । शामा इन्सा इंग्सा इंग्सा द्वा धा सी है। व ल एड्स्ज बा पाड़ा हजा प्र पा स्वा स्वा जायपश्राप्ता असार स्या तहा सहग्रायला नाधारायहाययाः विकासिनाहिनाहिनाहिन

त्राइतित्य स्डिप्ति स्टालिय जित्र अप प्राः तवजा श्जाधा या स्त जन्म। कित्वालिया वा वा वा का का का का का गताहिप्यमाः अभव्यप्राधाः ना-सापपाद्यकाड्मश्रद्धानाम्य अस्तिप्रमायाः ७ ग्राम १५ मध्यकष् जिता का शिक्षा दा का शादा या एक महा हा है सार छ ता पा लाग ने मार कर का वसाधः हमासारहहाहमान्य वाहाहमा जमायनश्यतहाहसायः प्रकृतिकापुर मुनारशहजराजानमह कुमस्य प्राप्त व्यान्वः १४ का हार्गाना ना ना मा भारता मा ताक्षराग्रह वालाड भावास हर उल्य नित्राह्माइ तर्ययाठ साठ साठ सा व्यस्तिः निवाधावानः वाक्षावा लाकुडामाज माश्र सम्बद्धः सगाप्तिमाधि Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org





दान में प्राप्त

दाता श्रो मैं राम चन्द्र रामी सील्इराम पुस्तकालय पता सराय बलमद्र रेवाड़ी (गुड़गावा)